हरियाणा से 30 बंधुआ मजदूर कराये मुक्त

चित्रकूट | निज संवाददाता

हरियाणा के भिवानी जिले में बंधुआ बनकर मजदूरी कर रहे 30 मजदूर मुक्त होकर बुधवार को वापस घर पहुंच गए। इस मामले में बंधुआ मुक्ति मोर्चा ने जानकारी मिलने पर ईमेल के जरिए भिवानी के कलेक्टर को पत्र भेजकर शिकायत दर्ज कराई थी। हरियाणा प्रशासन ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए आनन-फानन में मजदूरों को मुक्त कराकर वापस घर भेजवाया।

बुंदेलखंड में रोजगार न होने के कारण लाखों लोग हर साल दूसरे प्रांतों के लिए पलायन कर जाते है। ऐसे ही जनपद से भी हजारों की संख्या में लोग दूसरे प्रदेशों में मजदूरी कर रहे है। जिनको बंधुआ मजदूर बनाकर काम लिया जा रहा है। बंधुआ मुक्ति मोर्चा के

मिली आजादी

- हरियाणा के भिवानी जनपद में मजदूरी कर रहे थे मजदूर
- बंधुआ मुक्ति मोर्चा ने कलेक्टर भिवानी से की थी शिकायत

प्रदेश अध्यक्ष दलसिंगार ने बताया कि पिछले 12 जनवरी को ईंट-भट्ठा में कार्यरत दो मजदूर हरियाणा के भिवानी जिले से भागकर आए और अपनी आप बीती सुनाकर शिकायत दर्ज कराई। बताया कि पिछले कई महीने से हरियाणा के भिवानी जनपद में ग्राम फुलपुरा, कोतवाली खरककला में ईंट-भट्ठा में चित्रकूट के 30 बाल एवं बंधुआ मजदूरों से जबरिया कार्य कराया जा रहा है। उनको न तो पैसा दिया जा रहा है और न ही घर आने व दूसरी जगह

हरियाणा से मुक्त होने के बाद वापस घर आए मजदूर। ● हिन्दुस्तान

कार्य करने की इजाजत भी नहीं दी जा रही है। यह मजदूर चित्रकूट जिले के गढचपा, चौरा, सेमरदहा, लोढ़वारा आदि के रहने वाले है। जिसमें 13 बाल बंधुआ मजदूर है और 17 बंधुआ मजदूर शामिल है। इनमें हरिचंद, चुनकीवा, लक्ष्मी, सविता, राजाभइया, सुधा, राधिका, राजू, सुनीता, राहुल, रानी, जानकी, मोहित, दुजयभान, सवरिया, किशनिया, रामलाल, संगीता, कृष्णा, अंजली, अशोक, गुड्डन, ब्रजमोहन, मीरा, अजय, प्रीतम, इन्द्रजीत, दीपक, आकाश, करन है। अध्यक्ष ने बताया कि इस मामले में ईमेल के जरिए जिला कलेक्टर जिला भिवानी हरियाणा को अवगत कराया।

17-01-2019
http://epaper.livehindustan.com/
epaper हिन्दुस्तान